इंदौर में कब थमेगा दूषित पानी का कहर

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा में दूषित पानी से फैली उल्टी दस्त की बीमारी पर काबू पाने के दावों के बीच हालात अभी सामान्य नहीं हो पाए हैं. अस्पतालों में अब भी 20 मरीज आईसीयू में भर्ती हैं, जबकि 149 मरीजों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में जारी है.

वहीं अब तक मृतकों की संख्या 16 सामने आ चुकी है. हालांकि राहत की बात यह रही कि 6 मरीजों की हालत में सुधार होने पर उन्हें आईसीयू से बाहर शिफ्ट किया है. वहीं संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पूरे क्षेत्र में बड़े स्तर पर फील्ड ऑपरेशन शुरू कर रखा है.

स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित इलाके में 16 फील्ड टीमें तैनात की हैं, जिनमें मेडिकल और नर्सिंग अधिकारियों के साथ आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर और एनजीओ के सदस्य शामिल हैं.

टीमों ने रिंग सर्वे और फॉलोअप सर्वे के तहत 5079 घरों तक पहुंचकर 25 हजार से ज्यादा लोगों की जांच की. इस दौरान 65 लोगों में हल्के लक्षण पाए गए, जिन्हें मौके पर ही दवा दी गई, जबकि 429 पुराने मरीजों का फॉलोअप किया. 15 मरीजों को ओपीडी से अस्पताल रेफर किया. संक्रमण की रोकथाम के लिए घर घर क्लोरीवेट ड्रॉप वितरित किए जा रहे हैं. मरीजों और स्वस्थ हो चुके लोगों को दवाओं का पूरा डोज लेने की सख्त समझाइश दी जा रही है, वहीं धात्री माताओं को छह माह तक बच्चों को केवल मां का दूध पिलाने के निर्देश दिए हैं.

20 मरीज आईसीयू में

भोपाल और इंदौर के पानी प्रबंधन पर सवाल उठाए

- इंदौर में सिर्फ चार जोनों और भोपाल में सिर्फ पांच जोनों में रोजाना पानी पहुंचता है.
- दोनों शहरों के 9.41 लाख परिवारों में से सिर्फ 5.30 लाख को नल कनेक्शन मिले हैं.
- रिसाव रोकने कि शिकायत पर नगर निगम 22 से 182 दिन लगाता हैं। मतलब शिकायत पर छह महीने में भी सुनवाई नहीं होती.
- 2013 से 2018 के बीच 4,481 पानी के नमूने लिए गए थे, पानी के नमूनों में भौतिक, रासायनिक जीवाणु परीक्षण में मिले थे ,जो पीने लायक नहीं पाए गए। रिकॉर्ड से पता नहीं चला कि नगर निगम ने क्या कार्रवाई की.
- स्वतंत्र जांच में 54 नमूनों में से 10 खराब पाए गए थे. उनमें गंदगी और मल कोलिफॉर्म था। इससे भोपाल के 3.62 लाख और इंदौर के 5.33 लाख यानी कुल 8.95 लाख लोगों को गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा था.

6 साल पहले कैग ने बता दिया था कि पानी में मौजूद है बैक्टीरिया

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा में 16 लोगों की दूषित पानी से मौत हो गई। इसको लेकर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (ष्ट्रन्न) ने 2019 में भोपाल और इंदौर के पानी प्रबंधन पर रिपोर्ट जारी की थी। रिपोर्ट में दोनों शहरों में पीने का दूषित सप्लाई करने का बताया गया था। कैग ने दूषित पानी को ठीक करने के सुझाव भी दिए थे। इंदौर में गंदा पानी पीने से अब तक 16 लोगों की जान जाने के बाद कैग रिपोर्ट की चर्चा का खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 2004 में एशियन विकास बैंक (ष्टष्क) से चार बड़े शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में पानी प्रबंधन के लिए 200 मिलियन डॉलर यानि 906.4 करोड़ रुपए का कर्ज 25 साल के लिए लिया था। यह पैसा शहरों में पानी की आपूर्ति को बढ़ाने और उसकी गुणवत्ता सुधारने के लिए था। प्रोजेक्ट के अनुसार शहर की जनता को पर्याप्त और साफ पानी मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया था। मगर उक्त पैसे का क्या काम हुआ ? यह कैग ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि दोनों शहरों (इंदौर - भोपाल) में गंभीर कमियों के साथ पानी के लिए कर्ज का पैसा भ्रष्टाचार भेंट चढ़ गया है। कर्ज लेने के लगभग 15 साल बाद भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने 2019 में भोपाल और इंदौर के पानी प्रबंधन पर रिपोर्ट जारी की। इंदौर और भोपाल में सप्लाई किए जा रहे गंदे और दूषित पानी की बात ष्ट्रन्न ने 2019 में ही बता दी थी। इंदौर के 5.33 लाख घरों को दूषित पानी सप्लाय करने का बता दिया था। साथ ही उसे ठीक करने के सुझाव भी दिए थे। मगर रिपोर्ट पर किसी भी परिषद ने ध्यान नहीं दिया. प्रोजेक्ट का काम ठीक से नही होने की रिपोर्ट आने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई ।

मंत्रालय के गलियारे से

कन्हैया लोधी

रिटायर्ड आईएएस का नर्मदा प्रेम

मप्र कॉडर के एक रिटायर्ड आईएएस का मां नर्मदा के प्रति अगाध प्रेम इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है. ये अधिकारी किसी समय मुख्यमंत्री सचिवालय में बड़ी जिम्मेदारी निभा चुके हैं. अब रिटायरमेंट के बाद सेवक के रूप में वे मां नर्मदा की परिक्रमा पर निकल गये हैं. साथ में उनकी जीवन संगिनी है. परिक्रमा पथ पर यदि वे किसी साधक या परिक्रमावासी से मिले तो सहज ही ये विश्वास करना मुश्किल होगा, कि वे कभी कलेक्टर भी रह चुके हैं, उनकी सरलता और सादगी अनुकरणीय है. सबसे बड़ी बात कि वे बिना किसी शोर और प्रचार के मां रेवा के चरणों में रत हैं. उनकी ये सहज भक्ति सुधि जनों के बीच उन्हें लगातार सम्मान दिला रही है.

मंत्री जी की सेल्फी

सामान्य तौर पर ऐसे लोग जिनको जीवन में कभी-कभार ही विमान सेवा का सुख मिलता है, ऐसे लोगों को मौका मिले तो ये सेल्फी और फोटोग्राफ सोशल मीडिया में डालकर ये जताने में पीछे नहीं रहते, वे भी हवाई सफर करते रहते हैं, ये ऐसे लोगों की अदा भी हो सकती है और मजबूरी भी, ये जताने के लिये कि वे भी किसी मामले में कम नहीं है, लेकिन पिछले दिनों एक कद्दावर मंत्री को न जाने क्या शौक चढ़ा कि उन्होंने भी बड़े गर्मजोशी भरे अंदाज में सेल्फी लेकर इसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, साथ ही ये भी बता दिया वे कहां जा रहे हैं और क्यों जा रहे हैं. बस फिर क्या था उनके सुधि समर्थकों का सैलाब उमड़ पड़ा, बधाई और शुभकामनाओं का सिलसिला चल निकला....

चर्चा में महापौर का मौन

इन दिनों देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा गले में लटकाये इंदौर शहर के दामन में बड़ा दाग लगा हुआ है. ऐसा शहर जहां स्वच्छता का दंभ भरते नेता अघाते नहीं थे, उस शहर का एक डार्क चेहरा भी था, जहां लोगों को स्वच्छ पानी तक नहीं मिल पा रहा था, आरोप-प्रत्यारोप और दावे-प्रतिदावे के बीच अफसरों और कर्मचारियों को दोषी ठहराने का क्रम चल रहा है, इस बीच अप्रत्याशित रूप से महापौर का मौन लोगों को बैचेन कर रहा है. उनकी इस खामोशी को उनकी नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है. अब ये नाराजगी सिस्टम के प्रति है या फिर अब तक इंदौर का चेहरा बने नेताओं के प्रति है, यह तो वे ही जानें, बहरहाल जहरीले पानी ने इंदौर के दामन पर ऐसा दाग दे दिया है, जिसका भरपाई में लंबा वक्त लगेगा, ये तय है.

जिम्मेदारी लगातार बढ़ा रही दूरी

एक आईएएस दंपति के साथ कुछ ऐसा हो रहा है कि उनको मिल रही जिम्मेदारी लगातार दूरी बढ़ा रही है. जब पहले पति महोदय एक जिले की कमान संभाल रहे थे, तो बाद में पत्नी की पोस्टिंग एक पड़ोस के जिले में हो गई, इससे दोनों खुश थे, लेकिन उनकी ये खुशी ज्यादा टिक न सकी, पति की जिले से विदाई हो गई और उन्हें राजधानी में बड़ी जिम्मेदारी मिल गई. अब एक बार फिर साहब को दूसरी बड़ी जिम्मेदारी मिल गई है, वह भी दूसरे जिले में, ऐसे में इस आईएएस दंपति के कार्यक्षेत्र की दूरी लगातार बढ़ रही है, अब देखना ये है कि कब दोनों को एक ही जिले में पोस्टिंग मिलती है.

जयपुर समिट में सिल्वर स्टेट पार्टनर होगा एमपी

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 3 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संरचित साझेदारियों के माध्यम से प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और नवाचार-आधारित विकास में अंतर-राज्यीय सहयोग को बढ़ाया जाएगा।

इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग 4 से 6 जनवरी 2026 तक जयपुर में आयोजित राजस्थान डिजीफेस्ट-टीआईई ग्लोबल समिट 2026 के 10वें संस्करण में सिल्वर स्टेट पार्टनर के रूप में शामिल होगा. यह भागीदारी 27 नवंबर 2025 को आयोजित एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 के दौरान द इंडस एंटरप्रेन्योर्स टीआईई राजस्थान के साथ हस्ताक्षरित समझौते के अनुरूप होगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जो उभरते और उच्च विकास वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्य के प्रौद्योगिकी एवं निवेश संबंधी दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे. राज्य की प्रस्तुति 5 जनवरी को जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र में आयोजित होगी, जहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्राथमिकता प्राप्त प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में वैश्विक निवेशकों तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के समक्ष अवसरों की विस्तृत रूपरेखा रखेंगे. कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे उच्च स्तरीय राज्य प्रस्तुति देंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव इनोवेशन एक्सपो का भ्रमण करेंगे और मध्यप्रदेश पवेलियन का दौरा कर स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स एवं उद्योग प्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष संवाद करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीईओ, निवेशकों तथा वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ व्यक्तिगत बैठक कर रणनीतिक निवेश के अवसरों की संभावनाओं पर चर्चा भी करेंगे.

यश टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक धर्मेन्द्र जैन, इंफोबीन्स टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक सिद्धार्थ सेठी, इम्पेटस टेक्नोलॉजीज के सीईओ संजीव अग्रवाल तथा क्लिनिसप्लाइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक जीसीसी प्रेरिता बाहेती मध्यप्रदेश की प्रौद्योगिकी सफलता का प्रतिनिधित्व करेंगे और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्यमों को सक्षम बनाने में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेंगे.

दूषित पानी को लेकर कलेक्टर सख्त

मुरैना में स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के निर्देश

मुरैना, 3 जनवरी. इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई गंभीर घटना के बाद मुरैना जिले में प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है.

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने नगरीय निकाय क्षेत्रों में आम नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों को सख्त निर्देश जारी किए हैं. उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेयजल की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा.

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नगर निगम क्षेत्र की सभी पानी की टंकियों, नलकूपों, हैंडपंप सहित समस्त जल स्त्रोतों के सैंपल लेकर 24 घंटे के भीतर पानी की गुणवत्ता की जांच कराई जाए. साथ ही नियमित परीक्षण सुनिश्चित किया जाए. यदि किसी क्षेत्र में पानी दूषित पाया जाता है तो वहां नागरिकों को पेयजल उपयोग से रोका जाए और टैंकर के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था तत्काल की जाए. उन्होंने पेयजल एवं पाइपलाइन संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए नगर निगम में कंट्रोल रूम शुरू करने के निर्देश दिए.

शीतलहर की चपेट में एमपी

कई जिले में पारा 6 डिसे से कम दर्ज

भोपाल, 3 जनवरी. मध्य प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव और हवाओं की दिशा में बदलाव के कारण मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है.

जहां रात के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं आंशिक बादल और कोहरे के असर से दिन के तापमान में गिरावट आई है. मौसम विज्ञानियों के अनुसार शनिवार को भी प्रदेश में मौसम इसी तरह बना रह सकता है, हालांकि इसके बाद न्यूनतम तापमान में फिर से गिरावट शुरू होने की संभावना है. प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान शिवपुरी में 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. प्रदेश के छह शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा. दतिया, नौगांव और टीकमगढ़ में शीतल दिन की स्थिति बनी रही. वहीं ग्वालियर और खजुराहो में घना कोहरा छाया रहा, जबकि भोपाल, रीवा, दतिया, रतलाम, दमोह, सागर और सतना में मध्यम कोहरा दर्ज किया गया. दिन का सर्वाधिक तापमान 29 डिग्री सेल्सियस नर्मदापुरम में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सात शहरों में अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा.

4.4 डिग्री सेल्सियस तक विशेष गिरावट दर्ज

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क बना रहा. राजगढ़ और दतिया जिलों में शीतल दिन की स्थिति रही. अधिकतम तापमान में उज्जैन संभाग के जिलों में 4.4 डिग्री सेल्सियस तक विशेष गिरावट दर्ज की गई, जबकि भोपाल और सागर संभाग में तापमान 3 से 3.6 डिग्री तक नीचे आया. ग्वालियर, चंबल, उज्जैन और सागर संभागों में अधिकतम तापमान सामान्य से 2.6 से 2.9 डिग्री कम रहा.

सूर्य और चंद्रमा की नजदीकी के साथ मनाइए पहले सप्ताह का अंत

भोपाल. नए साल के जश्न के बीच पृथ्वी के लिए पहले सप्ताह का अंत खगोलीय दृष्टि से भी खास रहा है. शनिवार 3 जनवरी को जहां पृथ्वी सूर्य के सबसे नजदीकी बिंदु पर पहुंच रही है, वहीं चंद्रमा भी पृथ्वी के करीब रहकर लगभग सुपरमून जैसा देखा गया. यह जानकारी नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने दी. सारिका घारू ने बताया कि सभी खगोलीय पिंड सूर्य के चारों ओर अंडाकार कक्षा में परिक्रमा करते हैं. इसी कारण अपनी कक्षा में वे कभी सूर्य या पृथ्वी के सबसे पास आते हैं.

कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी का पुनर्गठन

एससी विभाग की नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी ने किया पदभार ग्रहण

विशेष संवाददाता

भोपाल,3 जनवरी. मध्य प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी ने शनिवार को यहां गरिमामय समारोह में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया.

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री सुरेंद्र चौधरी और महेंद्र बौद्ध तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे. सभा को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर और महात्मा गांधी द्वारा स्थापित संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और समानता को कमजोर कर रही है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए देशव्यापी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं. पटवारी ने कहा कि कांग्रेस सावित्रीबाई फुले के विचारों पर चलते हुए वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है.

प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत

परिजनों का फूटा आक्रोश

आगरमालवा, 03 जनवरी. मध्यप्रदेश के आगरमालवा जिला चिकित्सालय में आज प्रसव के दौरान एक गर्भवती महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो जाने से आक्रोशित परिजन ने अस्पताल कर्मचारियों पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ागांव निवासी यास्मीन पति इक़बाल (31) को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे. परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में पदस्थ महिला चिकित्सक डॉ. शीतल मालवीय द्वारा डिलीवरी कराई गई, लेकिन इस दौरान आवश्यक सावधानियां और समय पर उपचार नहीं किया गया.

इंदौर में पहला विमान 3 घंटे देरी से उतरा, यातायात ठप

इंदौर, 3 जनवरी. शहर में शनिवार सुबह छाए घने कोहरे ने हवाई यातायात को बुरी तरह प्रभावित किया. अत्यंत कम दृश्यता के कारण जहां रोजाना तड़के शुरू होने वाली उड़ानों पर ब्रेक लग गया, वहीं दर्जनभर से अधिक फ्लाइट्स घंटों की देरी से संचालित हुई.

हालात ऐसे रहे कि इंदौर एयरपोर्ट पर पहला विमान उतरने में करीब तीन घंटे का इंतजार करना पड़ा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. आमतौर पर इंदौर एयरपोर्ट पर सुबह 6.40 बजे से विमानों की लैंडिंग शुरू हो जाती है, लेकिन घने कोहरे के चलते शुक्रवार को पहला विमान सुबह करीब 9.30 बजे उतर सका.

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार सामान्य दिनों में दृश्यता 3 से 5 किलोमीटर रहती है, लेकिन सुबह यह घटकर महज 100 मीटर तक पहुंच गई थी. कोहरा इतना घना था कि शहर की सड़कों पर वाहन चालकों को दिन में भी हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा.

संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

विशेष संवाददाता

भोपाल,3 जनवरी. मध्यप्रदेश पुलिस ने आर्थिक अपराधों और संगठित आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ अपनी मुहिम तेज करते हुए पिछले दो दिनों में इंदौर, गुना, शाजापुर और बीना जिलों में बड़ी सफलताएं हासिल की हैं.

समन्वित पुलिस कार्रवाइयों के तहत अंतर्राज्यीय ठगी गिरोहों का भंडाफोड़ किया गया और लूट के मामलों का खुलासा करते हुए 55.68 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई. इंदौर में एक सराफा व्यापारी से सोने की ठगी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया. आरोपियों के कब्जे से करीब 40 लाख रुपये मूल्य का 280 ग्राम सोना बरामद किया गया. गुना में नकली सोना असली बताकर व्यापारियों से ठगी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया गया. पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 5.17 लाख रुपये जब्त किए.

क्षेत्रीय विकास | मुख्यमंत्री निवास में अटल प्रोग्रेस-वे परियोजना की बैठक, सीएम ने दिए निर्देश

प्रोग्रेस-वे के लिए जल्द करें भूमि अधिग्रहण

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 3 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्षेत्रीय विकास में सड़कों की महत्वपूर्ण भूमिका है. अटल प्रोग्रेस-वे परियोजना से प्रदेश के चंबल क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी.

इस मार्ग से मुरैना, श्योपुर और भिंड जिले, राजस्थान से निकल रहे दिल्ली-वड़ोदरा एक्सप्रेस-वे और उत्तर प्रदेश के आगरा-लखनऊ हाईवे से जुड़ेंगे. इससे क्षेत्र की कोटा, मुंबई, कानपुर, लखनऊ, आगरा और दिल्ली से कनेक्टिविटी बढ़ेगी तथा यात्रा का समय कम होगा. परिणामस्वरूप क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों, व्यापार-व्यवसाय, पर्यटन और आवागमन को प्रोत्साहन मिलेगा. किसानों और क्षेत्रीय निवासियों की सहमति और संतुष्टि अनुसार भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया कर परियोजना को जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश अटल प्रोग्रेस-वे परियोजना की मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में दिए.

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेंच राष्ट्रीय उद्यान-कान्हा टाइगर रिजर्व-बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और पन्ना राष्ट्रीय उद्यान को जोड़ने वाले मार्ग को टाइगर टूरिज्म कॉरीडोर के रूप में विकसित किया जाए. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 625 कि.मी. लंबे इस मार्ग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार वाइल्ड लाइफ टूरिज्म को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी. बैठक में अटल एक्सप्रेस-वे के प्रस्तावित दो प्लान का तुलनात्मक प्रस्तुतिकरण किया गया.

नौ माह में पश्चिम मध्य रेल की बड़ी उपलब्धि

भोपाल. पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष में ओरजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है. महाप्रबंधक के निरंतर मॉनिटरिंग और वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल द्वारा अप्रैल से दिसंबर 2025 तक कुल 41.44 मिलियन टन प्रारम्भिक माल लदान किया गया है. यह आंकड़ा गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में हुए 38.75 मिलियन टन लदान की तुलना में लगभग 6.94 प्रतिशत अधिक है. केवल दिसंबर 2025 माह में पश्चिम मध्य रेल ने 5.36 मिलियन टन माल लदान किया, जबकि दिसंबर 2024 में यह आंकड़ा 4.98 मिलियन टन था.

चाकू से 12 वार कर डॉक्टर की हत्या

भेड़ाघाट सहजपुर में दिनदहाड़े सनसनीखेज वारदात

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अंतर्गत सहजपुर ओवर ब्रिज के नीचे शनिवार को दिनदहाड़े नकाबपोश बदमाशों ने डॉक्टर को स्कार्पियों से बाहर निकाल सरेराह घेर लिया और चाकुओं से ताबड़तोड़ एक दर्जन वार कर हत्या कर दी।

वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एफएसएल टीम मौका-ए-वारदात पर पहुंची और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। हत्या किसने और किन कारणों से की है समेत अन्य बिन्दुओं पर जांच जारी है। टीआई कमलेश चौरिया के मुताबिक डॉक्टर अभिषेक उर्फ महेंद्र साहू 30 वर्षीय निवासी पाटन भुवारा गांव का शुक्रवार शाम करीब पांच बजे घर से उज्जैन जाने के लिए स्कॉर्पियो क्रमांक एमपी 04 टीबी 0383 लेकर निकला था। रास्ते में उसकी स्कार्पियों बंद हो गई। शनिवार को वह सहजपुर फ्लाईओवर के पास वाहन को सुधरवाने के लिए उसने मिस्त्री को बुलाया था।

मैकेनिक पार्ट्स लेने के लिए बाजार तरफ गया था, तभी दोपहर 12 से 1 बजे के बीच दो बाइकों से पांच से छह नकाबपोश पहुंचे।